चले सगुरी नहाय

चले सगुरी नहाय,माता भुवन ले निकल के ॥
चढ़ -ऐ माता भुवन ले निकले के हो = 2

ये कोन कोड़ाय ताल सगुरी, कोन बांधे हे पार ।
कोन करे रखवारी,चले गंगा के पार,
माता भुवन ले निकल के...

राम कोड़ाय ताल सगुरी,लक्षमण बांधे हे पार ।
लंगूर करें रखवारी,चले गंगा के पार,
माता भुवन ले निकल के...

चढ़ -ऐ माता भुवन ले निकले के हो = 2
चले सगुरी नहाय,माता भुवन ले निकल के

के वो कोसन ताल सगुरी,के कोसन के पार
के कोसन रखवारे,चले गंगा के पार,
माता भुवन ले निकल के...

आठ कोसन ताल सगुरी, नव कोसन के पार
दास वो कोसन रखवारे, चले गंगा के पार
माता भुवन ले निकल के...

चढ़ -ऐ माता भुवन ले निकले के हो = 2
चले सगुरी नहाय,माता भुवन ले निकल के

कोन दिशा हे ताल सगुरी, कोन दिशा हे पार
कोन दिशा हे रखवारे,चले गंगा के पार,
माता भुवन ले निकल के...

पुरब दिशा हे ताल सगुरी, पश्चिम हावे पार
उत्तर दिशा ताल सगुरी, चले गंगा के पार
माता भुवन ले निकल के...

चढ़ -ऐ माता भुवन ले निकले के हो = 2
चले सगुरी नहाय,माता भुवन ले निकल के

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36069/title/chale-saguri-nahay

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |